मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY–007

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम.ए.जे.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.जे.वाई.-007 : संहिता ज्योतिष

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्नपत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

1. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $3 \times 20 = 60$

   (क) बृहत्संहिता ग्रन्थ के प्रतिपाद्य विषय पर निबन्ध लिखिए।

   (ख) दैवज्ञ लक्षणों को ग्रन्थानुसार प्रतिपादित कीजिए।

   (ग) संहिता पदार्थों का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए।

(घ) मङ्गल के **पाँच** मुख कौन-कौनसे हैं ? विवेचनात्मक वर्णन कीजिए।

(ङ) आदित्यचाराध्याय में सूर्य के तामस-कीलकाच्छादित फल का प्रतिपादन कीजिए।

(च) एक मास में सूर्य-चन्द्रग्रहण फल का वर्णन कीजिए।

भाग—ख

2. किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

(क) उत्पात के कारण की समीक्षा कीजिए।

(ख) उल्का का स्वरूप वर्णन कीजिए।

(ग) बुध का उदयास्त फल विवेचन कीजिए।

(घ) शुक्र की नव वीथियों का साधारण परिचय दीजिए।

(ङ) दैवल मत से बुध की गतियों का वर्णन कीजिए।

(च) त्रिस्कन्धात्मक ज्योतिष का वर्णन कीजिए।

(छ) नक्षत्रवशात् शनिग्रह का फल लिखिए।

(ज) ग्रस्तोदित सूर्यचन्द्र के फल की समीक्षा कीजिए।

× × × × ×